राजनीति विज्ञान

POLITICAL SCIENCE

प्रथम प्रश्न–पत्र : राजनीतिक सिद्धान्त का परिचय

द्वितीय प्रश्न–पत्र : राजनीतिक विचार एवं संकल्पनाएँ

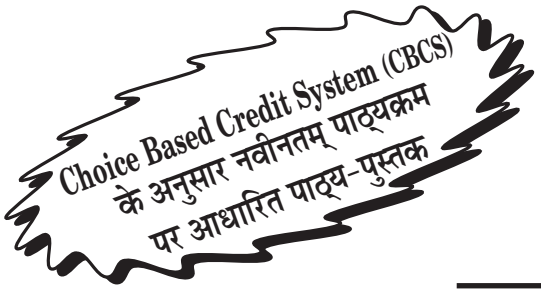

Choice Based Credit System (CBCS) के अनुसार नवीनतम् पाठ्यक्रम पर आधारित पाठ्य-पुस्तक

डॉ. जे. सी. जौहरी
एम.ए .,ए ल.ए ल.ब ी.,प ी-एच.ड ी.
पूर्वअ ध्यक्ष,र ाजनीति विज्ञान विभाग
श्यामलालक ॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली

SBPD PUBLICATIONS
एस बी पी डी पब्लिकेशन्स

विषय–सूची

अध्याय पृष्ठ-संख्या

प्रथम प्रश्न-पत्र : राजनीतिक सिद्धान्त का परिचय
(Introduction to Political Theory)

1. **राजनीति विज्ञान : परिभाषा, प्रकृति एवं क्षेत्र** ..... 3—20
[Political Science : Definition, Nature and Scope]
(राजनीति विज्ञान का अर्थ, राजनीति विज्ञान की प्रकृति, आधुनिक राजनीति विज्ञान की प्रकृति, राजनीति विज्ञान का क्षेत्र, राजनीति विज्ञान की परिभाषाएँ, क्षेत्र व उसके विविध प्रकार, नवीन अर्थ, सत्ता के अध्ययन के रूप में राजनीति, राजनीति विज्ञान के अध्ययन का महत्व, राजनीति का व्यापक अर्थ, प्रश्न।)

2. **राजनीति विज्ञान की अध्ययन पद्धतियाँ व उपागम** ..... 21—33
[Methods and Approaches to the Study of Political Science]
(पद्धतियाँ व उपागम, प्रमुख परम्परागत उपागम, प्रमुख आधुनिक उपागम, आर्थिक समाज-वैज्ञानिक, मनोवैज्ञानिक, व्यवहारवादी उपागम, उत्तर-व्यवहारवादी क्रान्ति, व्यवहारवाद तथा उत्तर-व्यवहारवाद में अन्तर, प्रश्न।)

3. **उदारवाद** ..... 34—41
[Liberalism]
(उदारवाद, अर्थ, परिभाषा, उदारवाद के उदय के कारण, उदारवाद का विकास, राजनीतिक, आर्थिक, उदारवाद के मूल सिद्धान्त या विशेषताएँ, उदारवाद के रूप, परम्परागत उदारवाद तथा आधुनिक उदारवाद में अन्तर, उदारवाद के गुण या पक्ष में तर्क, उदारवाद के दोष या विपक्ष में तर्क (आलोचना), प्रश्न।)

4. **मार्क्सवाद** ..... 42—56
[Marxism]
(मार्क्सवाद का विकास, मार्क्सवाद के प्रमुख सिद्धान्त, द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद, इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या, अतिरिक्त मूल्य का सिद्धान्त, वर्ग-संघर्ष का सिद्धान्त, क्रान्ति का सिद्धान्त, अलगाव का सिद्धान्त, स्वतन्त्रता की संकल्पना, प्रश्न।)

5. **अन्तर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण और राजनीति विज्ञान का अन्य समाज विज्ञानों से सम्बन्ध** ..... 57—72
[Inter-Disciplinary Approach and Relation of Political Science with Other Social Sciences]
(अन्तर-अनुशासनात्मक अध्ययन पद्धति, राजनीति विज्ञान : अन्तर-अनुशासनात्मक उपागम की दिशा में प्रयास, राजनीति विज्ञान का अन्य समाज विज्ञानों से सम्बन्ध, राजनीति विज्ञान के अध्ययन के लिए इतिहास की उपयोगिता, इतिहास के लिए राजनीति विज्ञान की उपयोगिता, ऐतिहासिक विधि की सीमाएँ, राजनीति विज्ञान के अध्ययन के लिए अर्थशास्त्र की उपयोगिता, अर्थव्यवस्था पर राजनीति विज्ञान का प्रभाव, राजनीति विज्ञान के अध्ययन के लिए नीतिशास्त्र की उपयोगिता, राजनीति विज्ञान और नीतिशास्त्र का अन्तर, राजनीति विज्ञान के अध्ययन के लिए मनोविज्ञान की उपयोगिता, राजनीति विज्ञान के अध्ययन के लिए समाजशास्त्र की उपयोगिता, प्रश्न।)

6. **राज्य : प्रकृति एवं उत्पत्ति के सिद्धान्त** ..... 73—102
[State : Nature and Principles of Origin]
(राज्य का अर्थ, अनिवार्य तत्व, मुख्य भिन्नताएँ, राज्य का स्वभाव या उसकी प्रकृति, वैधानिक सिद्धान्त, सावयव सिद्धान्त, मार्क्सवादी सिद्धान्त, आदर्शवादी सिद्धान्त, राज्य की उत्पत्ति के सिद्धान्त, दैवी उत्पत्ति का सिद्धान्त, शक्ति का सिद्धान्त, सामाजिक समझौतों का सिद्धान्त, रूसो का सामान्य इच्छा का सिद्धान्त, हॉब्स, लॉक तथा रूसो के मतों का तुलनात्मक चित्रण, प्रश्न।)

अध्याय पृष्ठ-संख्या

7. **राज्य के कार्य-उदारवाद, समाजवाद, लोक-कल्याणकारी राज्य एवं आधुनिक राज्य का उदय** ..... 103—132
[Functions of the State : Liberalism, Socialism, Welfare State and Rise of Modern State]
(राज्य के कार्य-क्षेत्र सिद्धान्त का अर्थ, राज्य के कार्य-क्षेत्र की समस्या, उदारवादी सिद्धान्त, उदय एवं विकास, उदारवादियों के अनुसार राज्य के कार्य, समाजवाद, लोक-कल्याणकारी राज्य, आधुनिक राज्य, आधुनिक राज्य के कार्य, राज्य के कार्य-क्षेत्र की सीमाएँ, प्रश्न।)

द्वितीय प्रश्न-पत्र : राजनीतिक विचार एवं संकल्पनाएँ
(Political Ideas and Concepts)

1. **सम्प्रभुता : अद्वैतवाद और बहुलवाद** ..... 3—30
[Sovereignty : Monism and Pluralism]
(प्रभुसत्ता का अर्थ और उसकी प्रकृति, प्रभुसत्ता की धारणा का विकास, ऑस्टिन का प्रभुसत्ता सिद्धान्त, प्रभुसत्ता के प्रकार अथवा रूप, सैद्धान्तिक और भौतिक उपकरण जो प्रभुसत्ता को प्रभावकारी बनाते हैं, प्रभुसत्ता का बहुलवादी सिद्धान्त, अद्वैतवाद या एकत्ववाद के विरुद्ध बहुलवादी प्रतिक्रिया, बहुलवाद के विकास के कारण, प्रमुख बहुलवादी विचारक, लॉस्की और मैकाइवर के विचारों का विस्तृत विवेचन, बहुलवादी मान्यताएँ, प्रभुसत्ता पर बहुलवादियों द्वारा किये गये प्रहार, बहुलवाद का मूल्यांकन, निष्कर्ष-सम्प्रभुता का वर्तमान स्वरूप, प्रश्न।)

2. **समानता** ..... 31—44
[Equality]
(समानता की अवधारणा का विकास, समानता का अर्थ व स्वरूप, समानता का गलत अर्थ, समानता का सही अर्थ, समानता का स्वरूप, समानता के विविध पहलू, विधिक या कानूनी समानता, राजनीतिक समानता, सामाजिक समानता, आर्थिक समानता, स्वतन्त्रता और समानता में सम्बन्ध, प्रश्न।)

3. **अधिकार** ..... 45—64
[Rights]
(अधिकारों से क्या आशय है?, परिभाषा, अधिकार की विशेषताएँ अथवा लक्षण, नैसर्गिक अथवा प्राकृतिक अधिकारों का सिद्धान्त, मुख्य मान्यताएँ, आलोचना, अधिकारों का उदारवादी अथवा व्यक्तिवादी सिद्धान्त, परम्परागत, आधुनिक, अधिकारों के विषय में लॉस्की का सिद्धान्त, परिभाषा, स्वरूप, विशेष अधिकार, अधिकारों की रक्षा के उपाय, अधिकारों का मार्क्सवादी सिद्धान्त, प्रश्न।)

4. **न्याय** ..... 65—79
[Justice]
(न्याय की परिभाषा एवं स्वरूप, न्याय का स्वरूप अथवा विशेषताएँ, न्याय की अवधारणा का विकास, न्याय का कानूनी, राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक पक्ष, स्वतन्त्रता, समानता, सम्पत्ति और न्याय का परस्पर सम्बन्ध, प्रश्न।)

5. **स्वतन्त्रता** ..... 80—92
[Liberty]
(स्वतन्त्रता का अर्थ व परिभाषा, स्वतन्त्रता के विभिन्न प्रकार, स्वतन्त्रता के नकारात्मक व सकारात्मक सिद्धान्त, स्वतन्त्रता का मार्क्सवादी दृष्टिकोण, प्रश्न।)

6. **लोकतन्त्र : प्रतिनिधित्व एवं भागीदारी** ..... 93—120
[Democracy : Representation and Participation]
(लोकतन्त्र, अर्थ, लोकतन्त्र के प्रकार, आलोचना, लोकतन्त्र के प्रमुख दोष, लोकतन्त्र का भविष्य तथा इसके सफलतापूर्वक कार्य करने की शर्तें, प्रतिनिधित्व, अर्थ व स्वरूप, प्रतिनिधि की भूमिका, प्रतिनिधित्व के विभिन्न रूप, राजनीतिक भागीदारी, अर्थ, प्रश्न।)